‘उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना’

चर्चा में क्यों?

2 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंचायती राज विभाग की प्रस्तावित ‘उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना’का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- ‘उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना’के अंतर्गत विदेश में बसे उत्तर प्रदेश के निवासी अब अपने पैतृक गाँव में अपने परिजनों, पुरखों की याद में सामुदायिक केंद्र, बारात घर और ऐसे ही अन्य निर्माण कार्य करवा सकेंगे।
- विदित है कि उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण परिवेश से निकलकर देश के विभिन्न शहरों व राज्यों तथा विदेश में निवासरत हैं और कार्यरत हैं। ऐसे लोग उत्तर प्रदेश के अपने पैतृक गाँव के विकास में सहयोग प्रदान करना चाहते हैं मगर पूर्व में कोई व्यवस्था न होने की वजह से वांछित सहयोग प्रदान नहीं कर पा रहे थे।
- योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति, निजी संस्था किसी ग्राम पंचायत में विकास कार्य, अवस्थापना सुविधा का विकास और पंचायतीराज अधिनियम की धारा 15 के तहत अनुमन्य कार्य करवाना या करना चाहते हैं और कार्य की लागत का न्यूनतम 60 प्रतिशत धनराशि दान स्वरूप वहन करने के इच्छुक हैं तो राज्य सरकार शेष 40 फीसदी लागत लगाएगी।
- कार्य पूरा होने के बाद राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आकार व प्रकार शिलापट्ट सहयोग करने वाले व्यक्ति या संस्था के प्रस्ताव के अनुसार अथवा उक्त भवन या अवस्थापना सुविधा के ऊपर लगवाया जाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-mathrubhumi-scheme